कुल पृष्ठ संख्या–32 (कवर पेज सहित)　　　　　　　　　　　　　क्रम संख्या....

माध्यमिक शिक्षा बोर्ड राजस्थान, अजमेर

उच्च माध्यमिक परीक्षा

(परीक्षार्थी द्वारा स्वयं भरा जाना चाहिये)

Candidate's Roll No. In English

(In Figures) ....

(In Words) ....

....

परीक्षार्थी का नामांक हिन्दी में

शब्दों में ....

....

नोट :– परीक्षार्थी उपरोक्त के अतिरिक्त उत्तर पुस्तिका के अन्य किसी भी भाग में अपना नामांक नहीं लिखें।

माध्यम – हिन्दी ☐ अंग्रेजी ☐

विषय ....Bussiness Studies....

परीक्षा का दिन ....Wenesday....

दिनांक ....13-03-2019....

नोट :– परीक्षार्थी के लिए आवश्यक निर्देश इस पृष्ठ के पिछले भाग पर उल्लेखित हैं। जिन्हें सावधानी पूर्वक पढ़ लें व पालना अवश्य करें।

परीक्षक हेतु निर्देश :– (1) परीक्षक को उपरोक्त सारणी अनुसार प्राप्तांक भरना अनिवार्य हैं, अन्यथा नियमानुसार दंडित किया जायेगा।

(2) परीक्षक उत्तर पुस्तिका के अन्दर के पृष्ठों के बायीं ओर निर्धारित कॉलम में लाल इंक से अंक प्रदत्त करें।

(3) कुल योग भिन्न में प्राप्त होने पर उसे पूर्णांक में ही परिवर्तित कर अंकित करें (उदारणार्थ : 15 ¼ को 16, 17 ½ को 18, 19 ¾ को 20)

प्रश्नवार प्राप्तांकों की सारणी
(परीक्षक के उपयोग हेतु)

प्रश्नों की क्रम संख्या	प्राप्तांक	प्रश्नों की क्रम संख्या	प्राप्तांक
1		19	
2		20	
3		21	
4		22	
5		23	
6		24	
7		25	
8		26	
9		27	
10		28	
11		29	
12		30	
13		31	
14		योग	
15		प्राप्त अंकों का कुल योग (Round off)	
16		अंकों में	शब्दों में
17			
18			

परीक्षक के हस्ताक्षर .... संकेतांक ☐☐☐☐☐

प्रमाणित किया जाता है कि इस उत्तर पुस्तिका के निर्माण में 58 जी.एस.एम. क्रीमवोव कागज ही उपयोग में लिया गया है। 165/2019

परीक्षार्थियों के लिए आवश्यक निर्देश

1. समस्त प्रश्नों का हल निर्धारित शब्द सीमा में इसी उत्तर पुस्तिका में करना है। विशेष परिस्थिति में अतिरिक्त उत्तर पुस्तिका पृथक से उत्तर पुस्तिका भरी हुई होने पर पर्यवेक्षक एवं वीक्षक की अनुशषां पर ही उपलब्ध कराई जायेगी।
2. प्रश्न–पत्र पर निर्धारित स्थान पर अपना नामांक लिखें।
3. प्रश्न–पत्र हल करने के पश्चात् जिस पृष्ठ पर हल समाप्त होता है, उस पर अन्त में "समाप्त" लिखकर अन्त के सभी रिक्त पृष्ठों को तिरछी लाईन से काटें।
4. निम्न बातों का विशेष ध्यान रखें अन्यथा अनुचित साधनों की रोकथाम अधिनियम के तहत कार्यवाही की जा सकेगी।
   - (i) उत्तर पुस्तिका के ऊपर/अन्दर तथा प्रश्नोत्तर के किसी भी भाग में चाही गई सूचना के अलावा अपना नामांक, नाम, पता, फोन नम्बर अथवा पहचान की कोई अन्य प्रकार की सूचना आदि अंकित नहीं करें अन्यथा "अनुचित साधनों के प्रयोग" के अन्तर्गत कार्यवाही की जावेगी।
   - (ii) उत्तर पुस्तिका के पृष्ठों को फाड़ें नहीं। उत्तर–पुस्तिका के मुख पृष्ठ पर अंकित संख्या के अनुसार पृष्ठ पूरे होने चाहिये। परीक्षार्थी उत्तरपुस्तिका प्राप्त करते ही पृष्ठ संख्या की जांच कर लें यदि पृष्ठ कम/अधिक या क्रम में नहीं हैं तो वीक्षक से तुरन्त बदलवा लें।
   - (iii) परीक्षा केन्द्रों पर पुस्तक, लेख, कागज, केलक्यूलेटर, मोबाईल, पेजर आदि किसी भी प्रकार का इलेक्ट्रोनिक उपकरण तथा किसी भी प्रकार का हथियार आदि ले जाना निषेध हैं।
   - (iv) वस्त्र, स्केल, ज्योमेट्री बॉक्स पर कुछ न लिखकर लावें। टेबुल के आस–पास कोई अवैध सामग्री नहीं होनी चाहिये, इसकी जांच कर लें।
   - (v) अपनी उत्तर पुस्तिका/ग्राफ/मानचित्र आदि परीक्षा भवन से बाहर ले जाना दण्डनीय अपराध है, अतः परीक्षा समाप्ति पर उत्तर पुस्तिका वीक्षक को बिना सौंपे परीक्षा कक्ष नहीं छोड़ें।
5. उत्तरों को क्रमानुसार एक ही स्थान पर लिखें। प्रश्न क्रमांक भी सही अंकित करें, अन्यथा दण्ड स्वरूप परीक्षक को 1 अंक कम करने का अधिकार है। बीच में उत्तर पुस्तिका के पृष्ठ रिक्त न छोड़ें। गणित विषय के लिए रफ कार्य उत्तर पुस्तिका के अंतिम पृष्ठों पर करें तथा तिरछी रेखा से काटें।
6. जहाँ तक हो सके प्रश्न के सभी भाग के उत्तर, उत्तर पुस्तिका में एक ही स्थान पर अंकित करें।
7. भाषा विषयों को छोड़कर शेष सभी विषयों के प्रश्न–पत्र हिन्दी–अंग्रेजी दोनों भाषा में मुद्रित है। किसी भी प्रकार की त्रुटि/अन्तर/विरोधाभास होने पर हिन्दी भाषा के प्रश्न को ही सही माना जाये।

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

Sec - A

1. प्रबंध के चौदह सिद्धांतो के प्रतिपादक हेनरी फेयोल है, इन्होंने ही अपने अनुभव के आधार पर इन सिद्धांतो का प्रतिपादन किया।

2. पीटर ड्रकर की पुस्तक का नाम Managing Trabulent of Times है जिसमें प्रबंध की चुनौतियों का वर्णन है।

3 मनोबल कार्य करने की इच्छा का नाम है। अभिप्रेरणा व्यक्ति को कार्य करने हेतु प्रेरित करती है, जिससे मानसिक संतुष्टि प्राप्त होती है, जिससे मनोबल में वृद्धि होती है।

4 कपट से तात्पर्य है, किसी पक्षकार को जानबुझकर धोखा देना, जिससे अनुबंध हो जाये।

5 एक नेता में उत्तम स्वास्थ्य नितांत आवश्यक है, क्योंकि कहा जाता है कि स्वस्थ शरीर में ही स्वस्थ मस्तिष्क का निवास होता है। यदि नेता का स्वास्थ्य उत्तम नहीं होगा तो वह कार्य करने में कठिनाइ महसुस करेगा

6. प्रस्ताव -
प्रस्ताव से तात्पर्य किसी पक्षकार द्वारा दूसरे पक्षकार के समक्ष अपनी इच्छा अभिव्यक्त करना ताकि उसे पक्ष में सहमति प्राप्त हो।

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक | प्रश्न संख्या | परीक्षार्थी उत्तर

7 ग्राहकों के ज्ञान में वृद्धि -
विपणन के माध्यम से ग्राहकों के ज्ञान में वृद्धि होती है, इसमें ग्राहक को बाजार के बारे में तथा वस्तु के बारे विश्लेषण एवं उपयोग की जानकारी प्राप्त होती है। (1)

8. राष्ट्रवेद में बीमा के लिए योगक्षेम शब्द का प्रयोग किया गया है। (1)

9. ग्राहकों का सृजन -
विज्ञापन के माध्यम से नयी वस्तुओं को बाजार में प्रस्तुत किया जाता है तथा ग्राहकों को विज्ञापन से वस्तु एवं उसके उपयोग की जानकारी प्राप्त होती है जिससे वे प्रेरित होते है, इस प्रकार नये ग्राहकों का सृजन होता है। (1) (1)

10 सामाजिक सुरक्षा -
सामाजिक सुरक्षा से तात्पर्य समाज के विभिन्न वर्गों को निजी संस्था या सरकार द्वारा सुरक्षा प्रदान करना, इसमें लाभ पाने वाला भी अंशदान कर सकता है। (1) (1)

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक | प्रश्न संख्या | परीक्षार्थी उत्तर

Sec- B

11 पेशेवर क्रिया -
उद्यमिता एक पेशेवर क्रिया है। उद्यमी को पेशेवर की भांति ही डिग्री चाहिए अर्थात इसमें विभिन्न परीक्षाओं को पार करना पड़ता है तथा समस्त पेशेवर की विशेषतायें ही उद्यमिता में दृष्टांत के रूप में देखी जा सकती है। उद्यमी को पेशेवर की तरह जोखिम उठाने के साथ-साथ सेवा उद्देश्य को भी ध्यान में रखना चाहिए। इस हेतु कई संस्थाये में उपलब्ध है।

12. प्रवक्ता -
प्रवक्ता संस्था की तरफ से यह भूमिका निभाता है, इसमें प्रवक्ता संस्था की तरफ से विभिन्न कार्यक्रमों में अध्यक्षता करता है तथा नीतियों, रीतियों, उद्देश्य, प्रविधियों आदि को सबके समक्ष प्रस्तुत करता है तथा इन्हीं के अनुसार कार्य करता है। इस प्रकार हम कह सकते है कि प्रबंध में प्रवक्ता की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है।

13 पूंजी निर्माण में सहायक-
उद्यमिता पूंजी निर्माण में सहायक है। उद्यमिता के माध्यम से अंश, ऋणपत्र तथा अन्य प्रतिभूतियों को बाजार में

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

से लोग क्रय करने के इच्छुक होते हैं तथा इससे प्रतिभूतियों का अभिगोपन भी किया जा सकता है तथा जिससे पूंजी निर्माण को बढ़ावा मिलता है। और देश की आर्थिक स्थिति सुदृढ़ बनती है, एवं देश का विकास होता है।

14 आजीवन रोजगार योजना –

जापान के प्रबंध की यह एक महत्वपूर्ण विशेषता है। इसके तहत जापानी प्रबंधक अपने कर्मचारियों को आजीवन रोजगार प्रदान करते हैं तथा मंदीकाल में भी जबरन छुट्टी से वे चिंता मुक्त रहते हैं। जापानी संस्था हानि उठाकर भी अपने कर्मचारियों को संस्था में बनाये रखती है जिससे उनके मन में संस्था के लिए अच्छी प्रवृत्ति बनती है तथा वे पूरे मनोयोग से कार्य करते हैं।

15

आधार	एश्योरेन्स	इन्श्योरेन्स
अर्थ	एश्योरेन्स में बीमाकर्ता का दायित्व निश्चित रहता है। हानी होने की पूर्ण संभावना है।	इन्श्योरेन्स में बीमाकर्ता का दायित्व अनिश्चित होता है। हानि हो भी सकती है और नहीं भी।
उदाहरण	एश्योरेन्स का मुख्य उदाहरण जीवन बीमा है।	इन्श्योरेन्स का मुख्य उदाहरण अग्नि बीमा है।

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

16 G.S.T (Goods Service Tax) –

G.ST एक अप्रत्यक्ष कर है जो भारत में 1 जुलाई 2017 को लागू हुआ।

GST मूल्य संवर्धित कर है यह लागत में जोड़े गये लाभ पर लगता है। भारत में GST को तीन भागों में बाँटा जा सकता है SGST, CGST, IGST।

Ex – Purchase 10,000 Sale 12000
SGST 10% 1000 SGST 10% 1200
CGST 10% 1000 CGST 10% 1200

अतिरिक्त GST
Total GST = CGST = 200
SGST = 200

17 GST पंजीकरण हेतु आवेदन के साथ लगने वाले निम्न दस्तावेज है –

(i) साझेदारी के लिए साझेदारी संलेख, कंपनी के लिए MCA सोसायटी के लिए प्रमाण पत्र होना चाहिए।

(ii) यदि व्यवसाय की जमीन स्वयं की है तो मालिकाना कागज, किराये की है तो किरायानामा या किसी ने दान में दी है तो उसका सबूत होना चाहिए।

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

18\. प्रबंध की सार्वभौमिकता से तात्पर्य प्रबंध सभी जगह विद्यमान होना।

थियो हैमन ने इसके पक्ष में तर्क दिये हैं :

(i) प्रबंध के सिद्धांत सभी जगह लागू होते हैं।

(ii) प्रबंध के मूलभूत कार्य सभी जगह किये जाते हैं।

स्टीफन रॉबिन्स ने इसके विपक्ष में तर्क दिये हैं -

(i) देश की संस्कृति अलग अलग होती है, इस प्रकार प्रबंध के सिद्धांत सभी जगह लागू नहीं होते।

(ii) संस्था के उद्देश्य भिन्न भिन्न होते हैं, अतः प्रबंध सार्वभौमिक नहीं

* Sec - C *

19 अदृश्य शक्ति -

प्रबंध एक अदृश्य शक्ति है। अदृश्य शक्ति से तात्पर्य जिसे देखा व छुआ नहीं जा सकता बल्कि परिणामों को देखकर इसका अनुमान लगाया जा सकता है। प्रबंध के अदृश्य शक्ति होने के पक्ष में निम्न तर्क

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

जा सकते है -

(i) प्रबंध प्रबंधको द्वारा किया जाता है जिसे देखा नहीं जा सकता है सिर्फ अनुमान लगाया जा सकता है जो निम्न प्रकार से है

(A) यदि प्रबंध के सभी कार्य समय पर हो रहे है तथा संस्था सफलता की सीढ़ी पर है तो यह माना जा सकता है कि प्रबंध अच्छा है।

(B) यदि प्रबंध के सभी कार्य समय पर नही हो रहे है तो संस्था अवनति की ओर जा रही है तो यह माना जा सकता है कि संस्था मे कुप्रबंध है।

(ii) प्रबंध एक ऐसी शक्ति है जो संस्था मे अच्छा वातावरण बनाये रखती है।

20 व्यर्थ ठहराव -

व्यर्थ ठहराव से तात्पर्य है जो कानुन द्वारा प्रवर्तित नहीं करवाया जा सकता तथा जिसमें दोनो पक्षकारों के मध्य कानुनी दायित्व उत्पन्न नही होते। ऐसे ठहराव प्रारंभ से ही व्यर्थ माने जाते है जो अवैध एवं अनैतिक उद्देश्य के लिए होते है। इन ठहरात को अनुबंध मे परिवर्तित नही करवाया जा सकता है।

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

व्यर्थ अनुबंध -

व्यर्थ अनुबंध से तात्पर्य है जो प्रारम्भ में वैध होता है लेकिन परिस्थितियां के कारण अवैध हो जाता है।

व्यर्थ अनुबंध अवैध होने की परिस्थितियां निम्न है -

(i) प्राकृतिक आपदा के कारण जैसे युद्ध के कारण अनुबंध व्यर्थ हो जाता है।

(ii) किसी पक्षकार के पागल या दीवालिया होने पर अनुबंध व्यर्थ हो जाता है।

(iii) किसी पक्षकार की मृत्यु हो जाने पर अनुबंध व्यर्थ हो जाता है।

21 एक प्रबंधक के रूप में हम अपने संगठन में अभिप्रेरणा की निम्न तकनीके अपनायेंगे

(i) पद एवं सेवा सुरक्षा -

यह एक महत्वपूर्ण अवित्तिय तकनीक है जिसमें कर्मचारी को छटनी, सेवामुक्ति आदि से मुक्त किया जा सकता है जिससे कर्मचारी अपने वर्तमान पद को बनाये रखने एवं उच्च पद प्राप्त करने हेतु पूर्ण मनोयोग से कार्य करेगा।

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

(ii) प्रशंसा एवं सम्मान -
इस तकनीक में हम कर्मचारियों को कार्य करने हेतु प्रेरित करने के लिए सार्वजनिक कार्यक्रमों में उनकी प्रशंसा करेंगे तथा उनके द्वारा उत्कृष्ट कार्य करने पर उनका सम्मान करेंगे जिससे वे स्वयं को गौरवमयी महसूस करेंगे।

(iii) प्रबंध एवं निर्णयन में सहभागिता -
इस तकनीक में हम कर्मचारियों को प्रबंध में जैसे उद्देश्य निर्धारण, नीतियाँ, प्रविधियाँ आदि में उनको सहभागी बनायेंगे जिससे वे कार्य करने को प्रतिबद्ध हो जाये और उनकी कार्यक्षमता में वृद्धि हो।

(iv) अधिकार प्रत्यायोजन -
इस तकनीक के अंतर्गत केवल उत्तरदायित्व सौंपना ही पर्याप्त नहीं है बल्कि उन्हें पर्याप्त रूप में अधिकार भी देने चाहिए जिससे वे कार्य को पूर्ण कर सके और संस्था के लक्ष्य भी प्राप्त हो सके।

22. एजेन्ट व नौकर में अंतर को निम्न प्रकार से समझा जा सकता है -

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

(i) एजेण्ट अपने प्रधान की ओर से अनुबंधात्मक कार्य करता है जबकि नौकर अनुबंधात्मक कार्य नहीं करता है।

(ii) एजेन्ट के कई सेवानियोजक हो सकते है बल्कि नौकर का एक ही सेवानियोजक होता है।

(iii) एजेन्ट को पारिश्रमिक के रूप में शुल्क या कमीशन मिलता है जबकि नौकर को पारिश्रमिक के रूप में वेतन मिलता है।

(iv) एजेन्ट परिस्थितियोवश नौकर का कार्य नहीं कर सकता जबकि नौकर एजेन्ट का कार्य कर सकता है या नौकर एजेन्ट हो सकता है।

(v) एजेन्ट बीमितों को ढूँढने का कार्य करता है या प्रस्तावकों को ढूंढता है जबकि नौकर ऐसा नहीं करता है।

23 उद्यमिता एक व्यवहार के रूप में -

उद्यमिता एक व्यवहार है, इस कथन से हम सहमत है। पीटर एफ ड्रकर ने भी लिखा है कि उद्यमिता न कला है न विज्ञान है बल्कि यह तो सिर्फ व्यवहार है। उद्यमिता उद्यमी को व्यावहारिक गुण है न कि भौतिक गुण।

BSER-165/2019

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

पीटर एफ ड्रकर ने सही लिखा है कि प्रबंधन को कला व विज्ञान के रूप में नहीं माना जा सकता है इसके लिए तर्क निम्न है -

(i) प्रबंधन में कला की भाँति सृजनात्मकता होती है लेकिन कला मनुष्य की आतंरिक इच्छाशक्ति है अर्थात कला को सीखा नहीं जा सकता जबकि प्रबंधन को प्रबंधीय गुणों के माध्यम से विकसित किया जा सकता है।

(ii) प्रबंधन में विज्ञान के सभी सिद्धांत लागू नहीं होते है।

निष्कर्ष -

इस प्रकार हम कह सकते है कि प्रबंधन व्यवहार है।

24 आधुनिक सामाजिक उत्तरदायित्व के तीन चरण है, जो निम्न है -

(i) निम्न स्तर - कानून की बाध्यता

(ii) मध्य स्तर - न्यायोचित प्रबंध का आधार

(iii) उच्चतम स्तर - मानवीय संवेदना का आधार

निम्न स्तर -

आधुनिक सामाजिक उत्तरदायित्व में प्रबंधक कानून की बाध्यता के आधार पर ही कुछ उत्तरदायित्व पूरा करता है यह सामाजिक उत्तरदायित्व का निम्न स्तर है

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

(ii) मध्य स्तर -
यह न्यायप्रियता प्रबंध
आधार मानकर चलता है इसमें प्रबं
निम्न स्तर से ऊपर उठकर अच्छे
नागरिक से प्रेरित होकर समाज की
इच्छाओं, आकांक्षाओं की पूर्ति करता है
लेकिन वह समाज के प्रति संवेदी नहीं
होता है।

25 बीमा के प्राथमिक कार्य निम्न है

(i) जोखिमों के विरुद्ध निश्चितता प्रदान करना -
बीमा
का यह प्राथमिक कार्य है, बीमाकर्ता
या बीमा कम्पनी जोखिम को तो दूर
नहीं कर सकती बल्कि बीमितों को
जोखिमों के विरुद्ध निश्चितता प्रदान
करती है जिससे बीमितों को मानसिक
शांति मिलती है। बीमाकर्ता इस
हेतु प्रीमियम के रूप में कुछ राशि
वसूल करती है तथा हानि होने की
दशा में उन्हें वह राशि लौटा दी
जाती है। इस प्रकार बीमा का
यह कार्य महत्वपूर्ण है।

(ii) जोखिमों का विभाजन -
जोखिमों के

BSER-165/2019

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

विभाजन से तात्पर्य अनेक बीमितों में जिस व्यक्ति को हानि पहुँची है उसकी जोखिम का विभाजन करती है। सर विलियम बेवरिज ने भी लिखा है कि बीमा जोखिमों को अनेक बीमितों में बाँट देती है अर्थात जिसको हानि या क्षति पहुँची है उसको भुगतान अन्य बीमितों की राशि से किया जाता है।

26. रॉबर्ट हे इडगो ने सामाजिक उत्तरदायित्व की अवधारणा में द्वितिय अवधारणा को न्यासिता प्रबंध नाम दिया है जिसको हम निम्न प्रकार से समझ सकते हैं।

न्यासिता प्रबंध -
न्यासिता प्रबंध तीसा की मंदी से प्रेरित थी। इसमें संस्था लाभार्जन के बारे में न सोचकर संस्था से संबंध रखने वाले कर्मचारी, अंशधारक, ऋणदाता, निवेशक आपुर्तिकर्ता आदि की आकांक्षाओं की पूर्ति करना इसमें यह अवधारणा थी कि जो संस्था के लिए अच्छा है, वह सम्पूर्ण राष्ट्र के लिए अच्छा है। अर्थात संस्था के पक्षकारों के हितों में ध्यान रखते हुए कार्य करना।

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

27 देय GST - देय GST से तात्पर्य जितना GST बनता है इतना सरकार को अदा करना

उदाहरण - राम ने 100000 रु. का माल पाली के श्याम से खरीदा जिसपर 10% SGST एवं 5% SGS था तथा 1,20,000 में जयपुर के व्यापारी को बेच दिया

Purchase	SGST	CGST
1,00,000	5000	10,000

Sales	SGST	CGST
120000	6000	12000

देय GST

Purchase 100,000

Sales 120000

देय GST Sales GST 18000

Purchase GST 15000

3000

CGST 2000

SGST 1000

इस प्रकार Total GST 3000 है।

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

Sec - D

28 प्रस्ताव - किसी पक्षकार द्वारा दूसरे पक्षकार को अपनी इच्छा इस आधार पर व्यक्त करना कि उससे सहमति प्राप्त हो। प्रस्ताव सामान्यतः आम लोगों अर्थात किसी भी व्यक्ति को किया जा सकता है जैसे राम ने श्याम को खेलने का प्रस्ताव, श्याम ने मोहन को भोजन पर आमंत्रण का प्रस्ताव।

उदाहरण - सीता ने गीता को कार बेचने का प्रस्ताव किया

अतः सीता प्रस्तावक एवं गीता यह प्रस्ताव स्वीकार कर लेती है तो वह प्रस्तावग्राहिता कहलायेगी।

प्रतिप्रस्ताव - जब दो पक्षकार एक खरीदने वाला दूसरा बेचने वाला एक ही समय, एक ही वस्तु का क्रय विक्रय का प्रस्ताव करते है तो यह प्रस्ताव नहीं बल्कि प्रतिप्रस्ताव कहलायेगा।

जैसे रीता मीरा को टेलीविजन बेचने का व मीरा टेलीविजन खरीदने का प्रस्ताव करते है तो यह प्रतिप्रस्ताव माना

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

जायेगा।

प्रस्ताव संबंधी वैधानिक प्रावधान निम्न है -

(i) प्रस्ताव का तरीका -
प्रस्ताव लिखित एवं मौखिक हो सकता है अधिकाशतः लिखित प्रस्ताव ही सही माना जाता है।

(ii) प्रस्ताव गर्भित अर्थात आचरण द्वारा भी किया जा सकता है।

(iii) प्रस्ताव की निश्चित शर्त होनी चाहिए

(iv) प्रस्ताव सकारात्मक या नकारात्मक हो सकता है।

(v) प्रस्ताव वैध होना चाहिए।

(vi) प्रस्ताव टेप रिकार्डर द्वारा नही दिया जा सकता है। प्रस्ताव उसी व्यक्ति को देना चाहिए जो प्रस्ताव करने की स्वीकार या अस्वीकार करने की स्थिति मे हो।

(vii) किसी व्यक्ति की इच्छा को प्रस्ताव नही माना जा सकता है।

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

जैसे विज्ञापन में नीलामी की सूचना।

21. प्रबंध –
उद्देश्य प्राप्ति हेतु कार्यकुशलता एवं प्रभावपूर्णता से कार्य करना प्रबंध कहलाता है।
प्रबंध के महत्व को निम्न प्रकार से समझा जा सकता है।

(i) प्रतिस्पर्धा का सामना करना –
वर्तमान का युग प्रतिस्पर्धा का युग है। वर्तमान में संस्था में बाहरी व आंतरिक दोनों प्रकार की प्रतिस्पर्धा पाई जाती है इस प्रकार नये उत्पादों का सृजन व तकनीक का विकास कर प्रतिस्पर्धा का सामना किया जा सकता है।

(ii) देश का आर्थिक विकास –
प्रबंध के माध्यम से देश का आर्थिक विकास किया जा सकता है तथा देश के विकास के लिए उत्पादों की स्थिति, मांग की स्थिति, प्रतिस्पर्धी संस्थाओं की स्थिति को ध्यान में रखकर नवप्रवर्तन के माध्यम से देश को उन्नति के पथ पर लाया जा सकता है।

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

(iii) विभिन्न रुचि समूहों में समन्वय - प्रबंध के माध्यम से विभिन्न रुचि समूहों में समन्वय स्थापित किया जा सकता है संस्था के विभिन्न पक्षकार होते हैं जोसे कर्मचारी, निवेशक, सरकार। कर्मचारी को उचित वेतन व सरकार को वांछित कर चुकाकर समन्वय स्थापित किया जा सकता है।

(iv) संसाधनों का विकास - मानवीय एवं भौतिक संसाधनों को प्राप्त करना ही आवश्यक नहीं है वरन संसाधनों का समुचित उपयोग करना भी आवश्यक है जो प्रबंध द्वारा संभव है।

(v) समाज में स्थिरता - समाज नवप्रवर्तन को स्वीकार नहीं करता है प्रबंध के माध्यम से इनमें समन्वय स्थापित कर समाज में स्थिरता कायम की जा सकती है।

(vi) संस्था का विकास - संस्था के मुख्य तीन उद्देश्य होते हैं अस्तित्व

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

संरक्षण, समायोजन, विस्तार। इन तीनों उद्देश्यों को पूरा करके संस्था का विकास किया जा सकता है।

30 विलियम जे स्टेन्टन के अनुसार - विक्रय संवर्द्धन से तात्पर्य वैयक्तिक विक्रय एवं विज्ञापन को छोड़कर विक्रय में वृद्धि की जाने वाली क्रियाओं से है।

उपभोक्ता संवर्द्धन विधियाँ - उपभोक्ता को विक्रय के लिए प्रेरित करने वाली क्रियायें उपभोक्ता संवर्द्धन विधि कहलाती है जो निम्न है -

(i) प्रीमीयम - किसी वस्तु के साथ अन्य वस्तु मुफ्त में देना जिससे उपभोक्ता क्रय करने हेतु प्रेरित हो सके।

जैसे - पेन्सिल के पैकट के साथ रबर देना

(ii) क्रियात्मक प्रदर्शन - विक्रेता अपनी दुकान एवं शोरूम पर वस्तुओं को उपयोग में लेने का प्रदर्शन करते है इलेक्ट्रोनिक वस्तुओं जैसे टीवी फ्रिज के विक्रेता इसका उपयोग

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

करते हैं।

(iii) अतिरिक्त मात्रा मुफ्त में देना - सौन्दर्य प्रसाधन विक्रेता इस तकनीक को काम में लेते हैं।
जैसे - फेयर एण्ड लवली की 40% मात्रा अधिक देना।

(iv) घटे मूल्य पर विक्रय - नववर्ष, दीपावली संस्था की स्थापना पर विक्रेता घटे मूल्य पर विक्रय करते हैं जिससे विक्रय में वृद्धि होती है।

जैसे एक जोड़ी जुते पर 100 ₹ कम करना।

(v) प्रतियोगिता - विक्रेता ग्राहकों के लिए कई प्रतियोगिता आयोजित करते हैं। इसके लिए ग्राहक को खरीदी गई वस्तु का कोई हिस्सा या कैशमेमो को संलग्न करते हैं। विजेता रहने वाले ग्राहक को पुरस्कार दिया जाता है।
प्रतियोगिता - किसी वस्तु का स्लोगन पूछना

BSER-165/2019

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

(vii) कूपन - विक्रेता वस्तुओं के साथ कूपन प्रणाली का प्रयोग करते हैं। मालिक वस्तु की पैकिंग खोलता है तो उसमें कूपन निकलता है। कूपन में लिखित वस्तु मालिक को मुफ्त में दी जाती है। दैनिक भास्कर, एवं राजस्थान पत्रिका इसका उपयोग करते हैं।

समाप्त